श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 22 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 फरवरी 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की पावन निश्रा में श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव

त्रिस्तुतिक संघ के चार आचार्यों का स्नेहिल मिलन एकता का उद्घोष

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. प्रातःस्मरणीय दादा गुरुदेव कलिकाल-कल्पतरु, विश्वपूज्य श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा प्रणीत बृहद् अभिधान राजेन्द्र कोष लेखन की उद्‌गम स्थली एवं प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की दीक्षा स्थली राजस्थान की धर्मधरा सियाणा नगर में श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका ग्यारह दिवसीय महामहोत्सव का शुभारम्भ दिनांक 2-2-2019 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा., भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा., मारवाड़ केसरी आचार्यदेव श्रीमद्विजय नरेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. एवं कोंकण केसरी आचार्यदेव श्रीमद्विजय लेखेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणि भगवन्त का भव्य मंगल प्रवेश के साथ हुआ।

शोभायात्रा में आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के साथ हाथी, घोड़े, रथ, बैण्ड, ढोल-थाली के साथ श्रद्धालुजन पूरे वातावरण को जयघोष के नाद से गुँजायमान कर रहे थे। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मन्दिर पहुँची। पूरे भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों के गुरुभक्त भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री सुविधिनाथ जैन पेढ़ी सियाणा के तत्वावधान में आयोजित समारोह में जालोर विधायक श्री जोगेश्वरजी गर्ग सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। शोभायात्रा के पश्चात् आयोजित धर्मसभा में शुभ निश्रा प्रदाता गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि साधु कभी आदेश नहीं देते है बल्कि वह हमेशा उपदेश देते हैं। इन्होंने साधु परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि साधु हमेशा सही दिशा बताता है।

मारवाड़ केसरी आचार्यदेव श्रीमद्विजय नरेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि जैन धर्म के अनुसार जिनवाणी का श्रवण करते हुए अनुशासन का पालन करना चाहिये। संगठन में ही शक्ति है तथा अच्छी बातों की सराहना होनी चाहिये। उन्होंने सबके हिलमिल कर चलने की बात भी कही।

कोंकण केसरी आचार्यदेव श्रीमद्विजय लेखेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. ने उद्बोधन देते हुए कहा कि मन्दिर, मूर्त्ति और तीर्थ जैन धर्म की पहचान है। यह जैन धर्म की महिमा और गरिमा को बचाये रखता है साथ ही धर्म के धरोहर को बचाये रखता है। मन्दिर, मूर्त्ति और तीर्थ आत्मा को पवित्र रखने के साधन हैं।

प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव के मार्गदर्शक, तीर्थ प्रेरक, एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने सम्बोधित करते हुए कहा कि गुरुकृपा ही सर्वोपरि है। संघ में आई कमजोरी को दूर करने के लिए हम सब मिलकर प्रयास करें। जैन समाज के हित में ही कार्य करने में सबकी भलाई है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ पर त्रिस्तुतिक संघ के चार आचार्य एक साथ एक पाट पर विराजमान है यह सियाणा ही नहीं अपितु पूरे भारतवर्ष के संघों के लिए सौभाग्य की बात है। आपने बहुत शीघ्र ही श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में आयोजित प्रतिष्ठा महामहोत्सव में सभी आचार्यों के पधारने हेतु संकेत प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन संगीतकार नरेन्द्र वाणीगोता ने किया। इस अवसर पर लाभार्थी परिवार का श्रीसंघ की ओर से बहुमान किया गया।

महोत्सव के दूसरे दिन चारों आचार्य भगवन्तों की निश्रा में कुम्भ स्थापना, दीपक स्थापना, नवग्रह पाटला स्थापना, अष्टमंगल पाटला स्थापना, दशदिग्पाल पाटला स्थापना, नवपद पूजा आदि अनुष्ठान लाभार्थी परिवारों द्वारा किये गये। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. के दिशा निर्देशन में प्रभु मूर्त्ति का प्रवेश कराया गया। दोपहर अष्टप्रकारी पूजन पढ़ाया गया।

महोत्सव के तीसरे दिन सभी आचार्य भगवन्तों की निश्रा में पंचकल्याणक पूजा के साथ प्रभु भक्ति के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गये। जिसमें बीस स्थानक पाटला स्थापना, सिद्धचक्र पाटला स्थापना, नन्दावर्त्त पाटला स्थापना, महावीर पंचकल्याणक पूजा आदि में लाभार्थी परिवार के साथ ही विशाल संख्या में गुरुभक्तों ने लाभ लिया।

महोत्सव के चौथे दिन च्यवन कल्याणक महोत्सव में 14 स्वप्नों के दर्शन करने का रोचक दृश्य एक स्वप्न की विस्तृत विवेचना के साथ दर्शाया गया। प्रभुजी की माता को आये चौदह स्वप्नों का फल पंडितों द्वारा बताया गया कि उक्त स्वप्नों के कारण भविष्य में यह बालक उच्च कोटि का बनेगा। गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा., आचार्यश्री नरेन्द्रसूरिजी म. सा., आचार्यश्री लेखेन्द्रसूरिजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की पावन निश्रा में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दोपहर श्री शान्तिनाथ पंचकल्याणक पूजा लाभार्थी परिवार द्वारा पढ़ाई गई।

पाँचवें दिन प्रभु के जन्मोत्सव पर राजसभा में जन्मकल्याणक के अन्तर्गत छप्पन दिक्कुमरियों द्वारा भव्य रूप से नाट्यकला का मंचन किया गया तथा इन्द्राणी द्वारा जन्मोत्सव का सुन्दर नाट्य मंचन किया गया। दोपहर श्री मुनिसुव्रतस्वामी पंचकल्याणक पूजा लाभार्थी परिवार द्वारा पढ़ाई गई। प्रातः मुनिराजश्री हितेशचन्द्रविजयजी म. सा. का पदार्पण हुआ।

(शेष पृष्ठ दो पर)

श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव

(शेष पृष्ठ एक का)

छठे दिन जन्मोत्सव के अन्तर्गत प्रियवन्दा दासी द्वारा अभिनव ढंग से राजसभा में जन्म बधाई सन्देश दिया गया। दोपहर को लाभार्थी परिवार द्वारा पढ़ाई गई। सातवें दिन राजसभा में प्रभु का नामकरण किया गया। जैसे ही नाम उद्घोषित हुआ पूरा सभा मण्डप जयघोष से गुँजायमान हो गया। नामकरण के पश्चात् पाठशाला गमन का भव्य आयोजन हुआ। प्रभु के परिणयोत्सव के अवसर पर देव-देवियों का बारात में आगमन तथा मामेरा में श्रद्धालुओं की अपार जनमेदिनी उमड़ पड़ी। सारे मंचन को कलाकारों ने सुन्दर रीति से प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। मामेरा में पाण्डाल गीतों की रमझट से महक उठा।

श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव के आठवें दिन सभी आचार्यभगवन्तों के सान्निध्य में दीक्षा कार्यक्रम हुआ। जन्मकल्याणक, पाठशाला व परिणय कार्यक्रम के पश्चात् राज्याभिषेक का जीवन्त मंचन किया गया। नवलोकांतिक देवों का रूप धरे कलाकारों की ओर से भगवान को दीक्षा की विनन्ती की गई। ज्योंही भगवान ने दीक्षा का मानस बनाया और माता-पिता से दीक्षा की आज्ञा माँगी तो माता-पिता की आँखें भर आई। इस जीवन्त मंचन को देखकर हर कोई भाव विभोर हो गया।

गुरु भगवन्तों के समक्ष सांसारिक जीवन का त्याग कर माता-पिता की आज्ञा का यह दृश्य बहुत ही कारुणिक बन गया। माता-पिता ने रूँधे गले से अपने बेटे को सांसारिक जीवन से विदा किया। भगवान ने अपने कुल के सभी परिजनों से भी आज्ञा ली। गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं तीर्थ प्रेरक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सान्निध्य में भव्य दीक्षा कार्यक्रम हुआ। प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु जाजम बिछाने का कार्यक्रम हुआ। चैत्याभिषेक, श्री गौतमस्वामीजी व श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रतिष्ठा निमित्त मेहन्दी वितरण का कार्यक्रम भी हुआ। सभी महिलाओं ने उत्साह से मेहन्दी ग्रहण कर अपने हाथों को सजाया।

इस अवसर पर सिरोही विधायक श्री संयमजी लोढ़ा एवं पूर्व भाजपा पशुपालन कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष श्री भूपेन्द्रजी देवासी पधारे और सियाणा जैन समाज की ओर से बनाई वेबसाईट की जानकारी भी ली। श्री लोढ़ा व श्री देवासी का प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा स्वागत-सत्कार किया गया। दोनों ने आचार्य भगवन्तों से चर्चा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महोत्सव के नवें दिन श्री केशरियानाथ नगर से प्रातः भव्यातिभव्य वरघोड़ा सभी आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के साथ चतुर्विध श्रीसंघ के साथ हाथी, घोड़े, सुसज्जित रथ सहित बैण्ड, बाँसुरी वादक, शंख वादक और ढोल के साथ अन्य वाद्ययन्त्रों की प्रस्तुति सभी के आकर्षण का केन्द्र थीं वहीं पर नृत्य मण्डलियों द्वारा विविध नृत्य भी सभी का मन मोह रहे थे। वरघोड़ा श्री केशरियानाथ नगर से प्रमुख बाजार मार्ग से गुजरते हुए भट्टों का चौक, खोखा निम्बड़ा, सेनारों की काकरी से होता हुआ समारोह स्थल पर पहुँचा, जहाँ अधिवाचना, केवलज्ञान कल्याणक व मांगलिक गीत सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। विधि विधान के साथ अंजन विधान आचार्य भगवन्त द्वारा किया गया।

प्रतिष्ठा के दिन आचार्य भगवन्तों द्वारा विधिविधान के साथ शुभ मुहूर्त्त में श्री केशरियानाथ आदि जिन बिम्बों एवं श्री राजेन्द्रसूरिजी आदि गुरुभगवन्तों की प्रतिमाजी की आनन्द एवं हर्ष के वातावरण में प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। देश के कोने-कोने से गुरुभक्त सियाणा नगर में आयोजित इस प्रतिष्ठा महोत्सव को निहारने पधारे। जैसे ही प्रभुजी और गुरुदेव गादीनशीन हुए तो गुरुभक्तों के जयघोष से पूरा नगर ॐ पुण्याहं, ॐ पुण्याहं के घोष से गुँजायमान हो गया। प्रतिष्ठा के दूसरे दिन गुरु भगवन्तों एवं सकल श्रीसंघ के साथ लाभार्थी परिवार द्वारा द्वारोद्घाटन किया गया। महोत्सव में प्रतिदिन प्रभु एवं गुरु प्रतिमाओं की नयनाभिराम अंगरचना की गई। प्रतिदिन विविध संगीतकारों द्वारा पूजा एवं भक्ति की गई।

प्रतिष्ठा के मार्गदर्शक पुण्य-सम्राट के पट्टधर संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने बताया कि महोत्सव में प्रतिदिन सियाणा की धर्मधरा पर भक्तों का आवागमन होता रहा एवं सभी ने देव-गुरु के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस प्रतिष्ठा को सफल बनाने में सियाणा श्रीसंघ के साथ ही नवयुवकों ने अपनी ऊर्जा का उपयोग कर सभी कार्यों में अथक परिश्रम कर सभी कार्यों को सुव्यवस्थित सम्पन्न करने में विशेष योगदान रहा है। प्रतिदिन होने वाले विविध कार्यक्रम लाभार्थी परिवार द्वारा सम्पन्न हुए। सभी लाभार्थी परिवारों एवं पधारे अतिथियों एवं विविध श्रीसंघों का सियाणा श्रीसंघ द्वारा बहुमान साफा, तिलक, शॉल एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर किया गया। प्रतिष्ठा में दादा गुरुदेव की अभिधान राजेन्द्र कोष का लेखन करते हुए प्रतिमा सबके आकर्षण का केन्द्र रहीं। ऐसी प्रतिमा प्रथम बार सियाणा में स्थापित हुई है।

प्रतिष्ठांजनशलाका के निमित्त श्रीसंघ द्वारा पूरे नगर को रंग-बिरंगे डेकोरेशन एवं आकर्षक लाईट डेकोरेशन से सुसज्जित किया जिसको निहार कर आने वाले अतिथियों के साथ ही नगर के प्रत्येक निवासी के मुख से प्रशंसा सुनी गई।

श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर का प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की शुभ निश्रा में उम्मेदाबाद-गोल में सेठ श्री कुन्दनमलजी रिखबचन्दजी, मुन्नीलालजी लुंकड़ चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा 15 फरवरी 2019 को प. पू. आचार्यदेवेशश्री द्वारा प्रदत्त शुभमुहूर्त्त में सानन्द सम्पन्न हुई।

प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर उम्मेदाबाद नगर को सजाया गया। विशालकाय भरतपुर नगरी एवं अन्य पाण्डालों का सुसज्जित निर्माण किया गया व नगर में अनेक प्रवेश द्वार लगाए गए।

प्रतिष्ठा से पूर्व आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि ठाणा का सकल श्रीसंघ के साथ सेठ परिवार ने भव्य सामैयापूर्वक भव्य प्रवेश करवाया।

प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पूर्व भव्य वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़ा गुरु मन्दिर से आरम्भ होकर आचार्यदेवेशश्री, सकल श्रीसंघ के सहित कलशधारी बालिकाओं, हाथी, घोड़े, बैण्ड-बाजों आदि के साथ नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ पुनः गुरु मन्दिर पहुँचा। विशाल संख्या में गुरुभक्तों ने वरघोड़े में नृत्य करते हुए दादा गुरुदेवश्री के जयघोष से सारे परिवेश को गुँजायमान कर दिया।

श्रीसंघ अध्यक्ष श्री बोथरा का देहावसान

उदयपुर (स.सं.)

महिदपुर रोड़ जैन श्रीसंघ के अध्यक्ष श्री पारसजी जैन का 62 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन 31 जनवरी 2019 को हो गया। आपके निधन से समाज के साथ ही पूरे क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है जिसकी पूर्ति असम्भव है। आप धार्मिक, सामाजिक गतिविधियों के साथ राजनीति में अपना विशिष्ट स्थान रखते थे। आप मिलनसार, सरल स्वभावी एवं हँसमुख व्यक्तित्व के धनी थे। आपके कार्यकाल में जैन समाज प्रगति और उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहा। आप पूरे परिवार के साथ ही जैन समाज के आधार स्तम्भ थे। श्री बोथरा के निधन पर जैन समाज के अतिरिक्त अन्य समाजों ने हार्दिक समवेदना प्रकट करते हुए हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की। यतीन्द्रवाणी परिवार श्री बोथरा के निधन पर हार्दिक समवेदना प्रकट करता है।

समाजसेवी श्री कोठारी का देहावसान

उदयपुर (स.सं.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् शाखा-उदयपुर के प्रथम अध्यक्ष एवं संरक्षक धर्मनिष्ठ, समाजसेवी, परम गुरुभक्त एवं प्रसिद्ध साहित्यकार श्री अनोखीलालजी कोठारी का दिनांक 28-1-2019 को हो गया। श्री कोठारी पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के अनन्य गुरुभक्त थे। उनके देहावसान पर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा., आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि अनेक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने समवेदना प्रकट करते हुए श्री कोठारी के देहावसान को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। आप अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती आशालता कोठारी, पुत्र अजीत-आनन्द के साथ पुत्रवधूएँ, पौत्र-पौत्री भरा-पूरा परिवार छोड़ इस नश्वर संसार से भले ही विदा हो गए परन्तु उनके द्वारा लिखित साहित्य सभी को नई दिशा प्रदान करेगा। यतीन्द्रवाणी परिवार अरिहन्तदेव एवं दादा गुरुदेव से अभ्यर्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं परिवार को धीरज प्रदान करे।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

गुरुदेव को डायमण्ड आँगी भेंट

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. दादा गुरुदेव विश्वपूज्य श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की जन्मस्थली भरतपुर (राज.) में परम गुरुभक्त अमरसर (सरत) राजस्थान निवासी शा. प्रकाशकुमारजी सुखराजजी सदाणी परिवार मदुराई (तमिलनाडु) ने अनुपम लाभ लेते हुए डायमण्ड की आँगी भेंट की।

श्री राजेन्द्रसूरि जैन कीर्त्ति मन्दिर तीर्थ ट्रस्ट, भरतपुर के साथ ही उपस्थित गुरुभक्तों ने सदाणी परिवार की अनुमोदना की। ट्रस्ट परिवार की ओर से सदाणी परिवार का बहुमान किया गया।

पाटण संघ द्वारा तीर्थदर्शन

उदयपुर (स.सं.)

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ, पाटण के सदस्यों ने राजस्थान यात्रा के अन्तर्गत तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामीजी एवं गुरु मन्दिरों के दर्शन वन्दन का लाभ लिया।

संघ के सदस्यों ने पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के समाधि मन्दिर के दर्शन-वन्दन कर पुण्य-समाट गुरुदेवश्री की दीक्षास्थली सियाणा नगर पहुँचे एवं वहाँ पर आयोज्य श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि जिनालय के अविस्मरणीय प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव में उपस्थित हुए।

महोत्सव में निश्राप्रदाता पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पाटण नगर में अध्ययनरत मुनिवृन्दों के निर्विघ्न चल रहे अध्ययन की पट्टधरद्वय को जानकारी दी। सियाणा में विराजित श्रमण-श्रमणिवृन्दों के दर्शन-वन्दन का भी लाभ लिया।

संयम दिवस पर तप पूर्णाहूति

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर धर्मदिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के

शुभाशीर्वाद से सरल स्वभावी साध्वीश्री शशिकलाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री डॉ. दर्शितकलाश्रीजी म. सा. के 33 वें संयम दिवस पर एवं 36 आयम्बिल तप की पूर्णाहुति पर अनेक गुरुभक्तों ने सुखसाता पूछते हुए मंगलकामना की।

इस अवसर पर अ. भा. श्री राजेन्द्र महिला परिषद् मध्यप्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी भण्डारी, मनावर, रिंगनोद नवयुवक परिषद्, महिला परिषद् एवं बहू परिषद् रिंगनोद के अनेक सदस्यों ने भी आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मंगलकामनाएँ अर्पित की।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 66 वें संयम दिवस पर देशभर में आयोजन

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. साहित्य-मनीषी, विशाल गच्छाधिपति, राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के 66 वें संयम दिवस पर देश के अनेक स्थानों में विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री द्वारा पल्लवित परिषद् परिवार इस दिवस को प्रतिवर्ष सामूहिक स्नात्र-पूजा के रूप में मनाता आ रहा है। इसके अतिरिक्त गुरुभक्तों ने एकासना, आयम्बिल, गुरु गुणानुवाद, अनुकम्पा दान, गुरु भक्ति, सामूहिक आरती, पूजन, सामूहिक चैत्यवन्दन आदि आयोजन कर अपने-अपने नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया। प्राप्त समाचारों को प्रकाशित किया जा रहा है। **-सम्पादक**

इन्दौर (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 66 वें संयम पर्याय दिवस पर श्री राजेन्द्र-जयन्त जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट-गुमास्ता नगर, परिषद् परिवार, श्री राजेन्द्र-जयन्त जैन धार्मिक पाठशाला-गुमास्ता नगर द्वारा श्री सीमन्धरस्वामी जिनालय-गुमास्ता नगर, इन्दौर में प्रातः 8.30 बजे भक्तामर सह सामूहिक सामायिक की गई। प्रातः 9.30 बजे सामूहिक स्नात्र-पूजा की गई तत्पश्चात् नवकारसी का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम के लाभार्थी- श्रीश्रीमाल परिवार टाण्डा वाले एवं बाँठिया परिवार रिंगनोद वाले थे।

श्री राजेन्द्र उपाश्रय, जूना कसेरा बाखल, इन्दौर पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, शाखा-इन्दौर, श्रीसंघ, महिला परिषद् द्वारा स्नात्र पूजा, पुण्य-सम्राट की पूजा एवं नवकारसी का आयोजन किया गया।

मेघनगर (म. प्र.)

पुण्य-सम्राटश्री के 66 वें संयम पर्याय दिवस पर मेघनगर में महिला परिषद् द्वारा दादा गुरुदेवश्री एवं पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की अष्टप्रकारी पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के लाभार्थी श्री शान्तिलालजी राकेशजी आदिशजी लोढ़ा परिवार थे उपस्थित गुरुभक्तों ने पूजन के अन्त में सामूहिक आरती उतारी।

दसई (म. प्र.)

पुण्य-सम्राटश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार द्वारा सामूहिक स्नात्र-पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद् के मनीष पावेचा, सुनील चण्डालिया, कमल राठौर, विजय मण्डलेचा, नीलेश सियाल, राकेश नाहर एवं महिला परिषद् की श्रीमती अनिता पावेचा, बालिका परिषद् की नेहा, मुस्कान पावेचा, हिमांशी सियाल, रानी खाबिया आदि उपस्थित थे। अन्त में सभी ने सामूहिक आरती का लाभ लिया।

दलौदा (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के 66 वें संयम दिवस पर दलौदा पाठशाला के बच्चों के द्वारा स्नात्र पूजा पढ़ाई गई।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य एवं गुरुभक्त उपस्थित थे। श्रीसंघ द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरीत किए गए।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur

bhandavpur@gmail.com

+91-7340009222

www.bhandavpur.com

पेढ़ी +91-7340019702-3-4

BTveer

सियाणा नगर में श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका की चित्रमय झलक

योगी-वाणी

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं।

जो व्यक्ति साहस के साथ उनका सामना करते हैं वे सदैव सफल होते हैं।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सगसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित